POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-I (Hons.), Paper-I

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur

औचित्यपूर्णता की विशेषताएँ

औचित्यपूर्णता की विशेषताएँ समस्त देशों में एक जैसी नहीं होती बल्कि सम्मिलित रूप में यह संबंधित देशों के लोगों के मानसिक स्तर, राजनीतिक मूल्य, विश्वास, राजनीतिक चेतना की मात्रा आदि पर निर्भर करती है।

औचित्यपूर्णता की सामान्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं —

(1) औचित्यपूर्णता की धारणा में एक विशेष विश्वास विकसित करने की अवस्था की सुयोग्यता सम्मिलित है —

किसी राजनीतिक व्यवस्था का औचित्य इस बात पर निर्भर करता है कि वहाँ के लोग अपने विश्वासों के आधार पर उस प्रणाली को किस सीमा तक वैध मानते हैं। लोगों में राजनीतिक व्यवस्था के प्रति विश्वास से औचित्यपूर्णता की धारणा को वैधता प्राप्त होती है।

(2) औचित्य की धारणा के साथ प्राथमिकता की धारणा सम्बद्ध है —

किसी राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता और उसकी वैधता उसकी प्राथमिकता पर निर्भर है।

Scanned with CamScanner

किसी व्यवस्था को वैधता तभी प्राप्त हो सकती है जबकि उसने कुछ सीमा तक प्रभाविकता प्राप्त कर ली है।

③ किसी व्यवस्था का औचित्य सम्बंधित लोगों के मूल्यों पर निर्भर करता है:-

किसी व्यवस्था को वैधता तभी प्राप्त होती है जबकि वह देश की सर्वसामान्य जनता के मूल्यों और विश्वासों पर आधारित हो। यदि लोकतांत्रिक देश में गैर संवैधानिक तरीके से कोई सरकार स्थापित हो जाती है तो उसे वैधता प्राप्त करना अत्यंत कठिन हो जाता है।

④ वैधता शक्ति को सत्ता में परिवर्तित करने का गुण है:-

शक्ति को सत्ता तभी प्राप्त होती है जबकि उसने जनसामान्य की दृष्टि में वैधता को प्राप्त कर लिया हो। यदि शक्ति लोगों की विवेकयुक्त कसौटी पर पूरी नहीं उतरती तो उसे सत्ता का नाम नहीं दिया जा सकता है।

⑤ वैधता विशाल सामाजिक स्वीकृति पर आधारित -

वैधता विशाल सामाजिक स्वीकृति पर निर्भर होती है।

Amna Afra

Scanned with CamScanner